

म्हा ६६ हुन्छए म्रेटाज्यक्तन्त्र व्याज्ञा र्देशोगएमा स्ट्रोस र्देष ४६°ट° हेमऋ उउपा र्जंभणटर सीप्पेज ९ भाषम्बन्ध्य भ्रञ्जाभ स्रेरियाज होम प्यार्टी ले



*प्रोपाणा*थाणार्थां रहेर म्रेट्टम्रेटी म्र॰टी द्रेटी प्र र्टेष्ठ <u>त्रक्</u>रण प्राप्तमाप्ताला ज्र*ण*ेजार हो<u>भज</u>दर्तस्यार्गमा मर्ख्याटा रिगम्म स्थाप

HUEIYEN LANPAO,



ट<sup>9</sup>४९९ वटाए गास्यागा <u>ଅଫ</u>ଲଙ୍କ ୯୮୯୯ ଅନ୍ଥ<u>ର୍ଷ</u> *ऋ°भ°−ँ*5म£ेर टम४ाणि द्रुमध्यदेश *स*ध्या ሙሪንፋኔኔ ያጸ−**ዉ॰ ወ**ርብር हेभाग गोद्रजस्ति जाभद्र



भञ्ग्ष त्रेष्टञ्ग्न टेप्नरोपात्र त्रेटिपान्नर होपान्नेपाञ्चट ርያብ አያል ይል መስ प्रार<u>्थभर</u>ात एक्स्य राज्यभेज म्हटपाञ्च *टर्स* रेम ८७४ र्मागिटएम प्रभेजमि ऋष्टनेपा टेष्टली हाणी

# <u>भन्य</u> गण हर्याण ग्राय्य स्टब्सिक स्टब्सिक अप्रकार भारते हुन अन्तर अन्त

र्र्षण ३२ ५००५७ म्हें मद **त्राल्य क्रि.८०)ः २०,७गाद २०,०गाद्य** गाउटी उरिक्र मध्मरिष्य दिभ हेटिए उस्टीठ दे इहिन्स अस्टीठी भीमधीत जबर्ड भणजब ज्ञा ीम एक या कि की भारति (CO) ए डेट्टार्ट प्राप्टगिएम जार कार्य कार्य मिर्द्रमाध्य रदर्ज स्वाप्य कर्त्र एक्स्र रहे पागा होन्द्रीय ग्रहभेष्ट स्थर्भीह ८०० नायस्<u>रक्षर</u>ा एक्सा नावश गाउटीएक र इंट्राणि विकास **ದ್ಯಾಬಹುದ್ದು** 82 पाम पाद्य<u>भिष्ट</u> र भग्न र

नार्वास्त्रज्ञालद्वर नार्राताना में ॥ भिरत्री प्रर्थर मञ्ज एक्टरप्रध्र पाठक ।। भिरत्ये प्रराहे दर्धाची घरते विकास प्रधारिक रोजपाध्य भ्रम्भद्ध च एप भ्रम्भदे ।। शिजामार्ट्स में उपारि एथ्या रिप्स रथ्या ीणदर्गें **पटार्थ क्रिकार रिक्रा रिक्रा ॥ अरभग निवास में अरम गर्भा मार्थ में अरम गर्भ मार्थ में अरम** भारी ग्रम प्रश्त ग्रह्म मर्जार

भिक्रमामा स्थापिक

(पॅर्स पण्ड पण्ड)ः स्निटिस

ಲಿಜ್ ಹಗಿರದೆಹ

॥ रिरुध्दर्भ दर्भम भिक्ति

HL Poll

JNIMS autho-ritygi ayaba

yaodana unaba yade

hairibasi maram chabra?

POLL CLOSES AT MIDNIGHT

Vote thadanabagidamak www.hueiyenlanpao.com

da Visit toubiyu

NGARANG GI RESULT

Q: Economic Blockade hou-

Yes 80% No 20%

 $\mathbb{C}$ 

fangnadabasi

badang ngairingeida petrol

Yes No

...हळ दर्माठ र्यम

Q: Irom Sharmila

दर्गीम रहेर सगर तिरहमर्रम ॥ <u>भव</u>ग्रन्थारमे रहर्रपार्श्व रिप्य प्रत्याप्त प्रस्ता रिप्य के प्रार्थ प्रत्य<u>भिरत</u> स्थापन है யിවෝජන් रुसक्षाभर सम्भारेज विख्याटाम रही प्राप्तम रियान करी प्राप्तम कर्म सिमान हिल्ला है। उस्भवर्ष प्राप्तम उमर्शम रियान रियान रियान है। उस्भवर्ष अपनित्रम रियान सिपान है। उस्भवर्ष अपनित्रम रियान सिपान है। उस्भवर्ष अपनित्रम रियान सिपान सिपान है। उस्भवर्ष अपनित्रम रियान सिपान सिपा ॥ त्रिन्नै ठल्ल पार्यः ४ मर्तरा ए टैलेंन निवर्शक जप्पर्वन अध्यान्त ।। त्रिन्नै ठल्ल म<u>र्भक्र</u>माध्य ीणार्अं करीमार्अः ॥ शिकारण ॥ विष्यात्रस्य राजमत्य तर्वाव्य तर्वाव्य अर्थः अर्थः अत्राह्मत्य

॥ रेन्छ अट्टा वार्ट वार्ट कार्ट कार्ट कारा कार्य के सहस्व केरल , स्वीन्य मन्द्र कार्य कार्ट कार उमर्र रिट्रफ पास्<u>र केब्द</u>्र रूपशण्ड पार्ट में में मारे हापर । निर्माहरू । जिल्लाम प्रकार हास्य रमें अप रमें केब्र र्मे र्मे स्रोत भाराज्याच्य तिवारिक स्थान साथिक स राधिक साधिक साधिक से मार्थ के साथ से साधिक में में से प्राया के स्वयं मार्थ के साथ साधिक से साथ साधिक से मार्थ में मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार प्राथमायोह्न ४५५५ वर्ष 

**2**8,82

ന്റെ പ്രാധ്യായ പ്രവേധ പ്രവേധ ക്രൂട്ടാ പ്രവേധ പ്രവേധ പ്രവേധ പ്രവേശ പ്രവേ 

र्रहेच, हिथ्या मीडलम भारित प्रभार प्रभाग त्रिसण विस्तर्भण മമ്പിയെട്ടെ വിധാന്യായ ഉപ്പെടുക अधराष्ट्र विमान रिन्स स्वीरमा മലിനായാ രണ്ടെ വരുപ്പെ गौरणिक रिमर्ड एस्ट्रीर्ट्या

क्रामा भन्न १०० समध्यम प्रभाभाषीत जबर्ट भणजब अध्य . संग्रीत्त्राष्ट्रा जिल्ला जिल्ला जिन्न मस्प्रसन्त टेप्नरुगागा ग्रह्म अत्यागित रिव्यं आपार्वम णा हो न्या हमार स्थाप का मार्थ में प्राची मध्म जन्नद्धरूप ए॰भुज्र भा ३८ ीमम गद्धर लहमहीभोठ जहद॰क्र

र्टाभिर्वेमळाणी जमहेच, एपार्वे, <u>ന്യ</u>്യാന്യ **മു**ട്യവവും र अध्याप भावन हरियोध स्थाप हे हिंदी धार हो भावन हरियोध है जिल्ला मानन हर्दा प्राप्त है जिल्ला मानन meconese हरेटे क्रेन्स्याच्या हरेटे हा आरे क्रेंग्रेम्पार्थीय क्रिम्स्याच्या रिक्टी रिविध्यारि क्रिस्ट काराजार प्रवेह गिरापर्वमार्केस, र्गास्स प्राप्त व्याप्ताल सहमम् राजित अल्पार प्रत्येत हैं हिन्द्र अल्पार प्रत्येत हैं हिन्द्र अल्पार प्रत्येत हैं हिन्द्र अल्पार सहमम्

# **७०७ १८७ मा १००० मा १४ ५००० १४ ५००० १४ ५००० १४ ५००० १४ ५००० १४ ५००० १४ ५००० १४ ५००० १४ ५००० १४ ५००० १४ ५००० १४** गोपारेणाटाणदिः देश्यासिका

'सित्रिमए ग्रोण एएए याली त्रेष्ण सिहम हमरहात्र'



॥ त्रीठमञ्जम उपार्व्यम कठण्य जापोराभिम्रद्याप ण्यमहीण४७ऽ७ष्य मिर्दर्भ, त्रिदर्क

रुन्द्रभूमा प्राह्मट्राह्म असम्बन्धा हुन णामंत्रीम ७०७०० गार एक दर्काल हा<u>म्य</u> शिल्प रहा हेन

भारतारायाच्या है. अराजिया है. अराजियाच है. अराजियाच है. अराजिया है. अराजियाच्या है. नेव सहस्रोत्र प्राप्तिक भारतिस १५०० व्याप्ति स्वर्ण १०० निवासीस स्वर्ण हो निवासीस प्राप्तिक १९०० राज ीमाह्या महत्या हो है । विरोध त्याँस महत्या सक्ता ॥ भवर्या सरदर्व हर्षेत्र इ<u>पंतर</u> हार्ये भिन्न पार्याच्या निर्मेहार भारिका पार्ट्ड रिस्मक होर साधुम सप्पर्तम भारिका होर <u>अभिर</u> छोटका राज्योमण्यत छात् महीम होर उन्हेंद्र सम्बन्धीय प्रभाव के विष्य के विषय के र्जुस अस्ट्रीम भागळ्स ॥ ४५७८ स्ट्रिस्ट्रम स्म अ०,३५ त्या १८० मा १५५ स्था १५ स्था १५५ स्था १५५ स्था १५५ स्था १५ स्था १५५ स्था १५ स्था १५ स्था १५५ स्था १५५ स्था १५ स्था १५ स्था १५ स्था १५ स्था १५५ स्था १५ भारतारणाटारीटीर देखा टैपार्टर छंट ।। रिजारेंड मक प्रत्याद पाटापादपातार भग्नाय अर्थन विश्वमास राज्यदंड होर उधिह रूपे येद पामसीपारयेर रदर्व समत्य के रय्येभिम पारणाय भग्निम पारा कि प्राप्त पाप हो दिया हार्परेश्व भारीही हो स्थाप साथ है एवं राज्य राजी हो सम्बाद हो है । अभाव राजी हो राजी साथ राजी है है स्ट्रान्य ग्रेस एक दक्री ए र जिस्रक ए जिस्स एक एक जिस्स एक एक जिस्स एक जिस्स हिन्द अप अपने हिन्द जिस्स अपने प्र ज्याधीया मा गार्थिया स्टानिक्या क्षेत्र खामाया मानम विभाशियाम मांत्र हार्क्स भारिक हो अधार्य अमर्रोम भाउन्हरू मार्च मध्दर्रपाहरीम

स्त्रात अज्ञाहरूक्त **पारिष्ठ**मर्गार

#### १८८५ ४७१८ ४७१८ आ स्टाप्टमन्रम हर्ष्ट पाउ

इन्ध्र ७५५ मध्य स्थाम मण गिरा विभाराजम हिर्मे विभारत भ अधिक जाती है से पिराध ಗ್ರುಕ್ಕರ್ಯ ಕೃಕಿ ದ್ಯಕ್ತಿಗೆ 2004 ण्डोन् शेष्ट भी जाती है दर्क , जाती जात , दर्ज एमण प्रभिष्ट प्रात्माधिक्र മാരു മാന്ത്യൻ വാനാക്കുന്നു ऋए१ग्रास ॥<u>°भ्रत</u>्य । ।°<u>भ्रत्य</u> ।।°भूरा । द्रापा व्यक्तक क्षित्र अभिन्न विश्व र्जार्ग प्राध्यात्रभार व्यव्य सिंपि॰ इ.स. म. इ.स. स. इ.स. स. इ.स. ण्ह्रया र्रमीणणा हरी त्याप्त भिष्ठ उँटे हए उथाएक ॥ युगास्त्रि पजुए स्री४म5 भागारापाउँ एवं भारह देखाँ ⋿⋼<u>⋒⋘</u>⋒⋒<u>⋝</u>⋐⋒⋴∃ हान के प्राप्त भेटा है जिस

निष्या प्रसीभायु ॥ जिल्लाभाविक भेरू ॥ रिराप्तर्थ हाज्याला स्थापन चौठत विषाण्यं म उत्रम रिमीणार क्रिया प्राथित हिए हैं जिसका किस्स्राप्त ॥ भिदर्क उर्ध दंस दीहरूद एमणिभूष्य , हिहस दर्क

८० मित्रका प्रथा मार्च प्रताम स्वाप प्रधान स्वाप प्रधान स्वाप प्रधान स्वाप प्रधान स्वाप प्रधान स्वाप प्रधान स्व रीहरूद गाहणात्मान हिला है रहामीए प्रामित सम्बर्ध है भारत स्था अप अप महिला है सिर्म है भारत स्थाप है सिर्म है सि मरम रिप्रम सर्गर प्रश्नमन्त्रभाष्या भव्यक्षार्थिक भव्यार्थ । भारतीहमा न्यार्थ भिर्म रिप्रम प्राप्त भव्या भव्यक भविष्

298 . उसारस प्राप्टिक प्रस्तित हुंदीमधल हुलूका। बिरायडारीलाँ हुए, तरहूर मंचर नारा कारामिकाय मतम निरम नारा नारा कराने ज्रह्म हो राज्य के सार्थ के सार्थ के कि निर्माण के कि कि से र्जे स्वर्म विकास विकास सिलास के कि से सिलास के कि से सार्व के सा

॥ टिप्पर्टे लक्कर हमराप्यान्य एउर्ने भारहोर्द्ध प्रभात आरम्भात ए प्रवाधिक करिया मध्या प्रतिक मधीर प्रवाधिक मधीर प्रवाधिक प्राधिक प्रवाधिक प् ॥ रियामभ्यस्त जार्मस स्रांत रायत तर्वाम । रिटे रहणस जामोली मर्सात रहां जार जारामभार रामभार सार्वा एक राजन रामभ ीगाहर्<u>दार्य</u> में ब हाणूम गिणाणाणा एक गाउँ मार्ग प्रतान के विषय होता प्रतान निर्मात प्रतान के उत्तर अस्त्रीत हार्म वे मार्ग प्रतान मार्ग प्रतान के प्रतान के असे प्रतान के प्रतान ॥ भिदर्क एर्क दंस एसण भभागा भागा अस्त्रीत एसए अस्त्र होता विद्य भ्राप्त अभ्य भ्राप्त भभागा भागा अस्त्र भ्राप्त अभ्य

इसहेन, प्राणिस इह (प्राप्त प्राप्त अधिसह हर्ष्य भी उप्रज्ञ अधिसह हर्ष्य भी उप्रज्ञ अधिसह हर्ष्य भी अधिसह हर्य भी अधिसह हर् 

भारतमध्य र २११

## जिस्ता है अस्या मिल्रा भीऽज्याधिक अध्याधिक मध्मीणहरू अच्या

ह्याछन भार्म्दरीमालर्थे २२ ोरूर ॥ भिराउत्तार प्राधिन्न रमङाचर्द छाँडेपार्झ ह्यारिवर्दणीम राजार्यके इर क्षालाम ॰व्टॅ र्साधा विद्यार्थक मारिकै ।। तरभर रिप्रण रिख्यार्थक ने विद्याप्य हिन्स एपार्वम पायम् १५५५ १२ । वर्ष प्रकृषि राजमी වැරෙවරුණ වාගත්ත වයේ ॥ වන්වර්ව වන්ව වන්න වාන්න මාට්නී යණා මා මාමවාන ඔබය ෆාෆම්රු හමාෆර් ර්ම්ය වාන්නේ වත ४८५७४४७भि<u>गा</u>रक्य समीत्रम स्वर्ण सर्विदर्शाम् १५५६ अराजी १०५८ राजी १०५८ राजी १०५८ १५५५ । र्णाठीमध्यः प्रमध्यम ४थोलोगार प्रजन्तरः ॥ १७४ ौज्यार्घ जन्नारः जन्नारः जन्नारः अस्तर्वे । अस्तरः 低無公皿 2座皿 एक्रक मध्य ॥ फिला<u>फ्र</u>बोटादर्श्व छ पार्वम भिर्म्वीमध्य एक्ष्रगणक्ष हार्वासक एक्ष्मक दर्श्वक अपराद्ध जाराज्य प्रवास

२७७४७%विसार ५३ ५८७५ । अत्र प्राप्त अत्र प्राप्त प् ारियापर्थस्याञ्च स्वरायार्थेन भारपाराञ्च र्रम रस्य विषयार्वम । १४५५ रपोर्ट रपोर्ट राज्या एत्रोस्ट हमजन्म पार्टिस प्राप्त महार , रिर्मार प्राप्त महार , रिर्मार महार , रिर्मार प्राप्त महार , रिर्मार , रिर्मार महार , रिराम महार ,

ण<u>णाट</u>िष्पारण्ड ग्रेंके ग्रेगाटम् ॥ रमध्यम राज्यस्य प्रस्ति प्राप्तस्य दर्वणीम भाषायम प्रदेशिमभाष्ट्र प्राप्तस्य हिंद

ौरमध्स भारत रुएं) भिर्प जरण्य रूभर°प्र टो<u>प्ल</u> रूण ग्रेस ए' भाषणम प्रमुद राजात्पाउटन रुम भाषणम रहिया समध्य राजर्त एक एक विवासक स्वाधिक मुन्तार एक्वीस्थ स्वाधिस राजिस विवास राजिस विवास राजिस राजिस भारण्य गरिस गर्मसा साम्राज्याभाग दर्भकेर इत्र जिस्पर एक्ट्रेस राज्य अनुज्या हुए होसा एक्ट्राप प्रभागम भारति स उदर्द 'जीपाधिषा रिज्य<u>ोधि</u>ष्टामा भदर्भ रञ्खायाग्र रहे न्हायीक्षर अध्याप - अ<u>भ्याप</u>क

#### अने जासक जामकी ०८ बर्ट जार

॥ <u>भव्य</u>ण्यात गमर प्रमुख गाष्ट्रभात प्रहरूर मुक्ता हिन्दु भारत स्वाप्त स्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

॥ भिदर्श हो <u>५८</u> हा मह्मा

महानाहरूप प्रमथ जात्रम दूसरामा स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित स्वाहित

ठैपार्य राज्यानम नामक लब राज्याक्त व्यव्यक्त होत्रमा नामक राज्य सम्बन्ध होत्रमा नामक राज्य सम्बन्ध राज्यमा नामक राज्य सामक राज्य सम्बन्ध राज्यमा नामक राज्य सामक राज ॥ <u>भन्य</u> पार्श्वसार्थ ग्रञ्जाह्न व्याधार माठ्ठ ग्रप्सा ग्राह्म स्वाप्त हम्म प्राध्य स्वाप्त हम्म विकार सम्बर्भ दर्भ होड्ड हुए शा मण्य ०८ विद्याप्त मण्य ४० २१ ॥ भर्य  $\mathcal{L}_{\text{SD}}$  വേട്ടായ് പ്രത്യായില് വെട്ടു मभ ८५५ मा प्रत्ये पार्टिक पार्टिक पार्टिक पार्टिक पार्टिक प्रत्ये प्रत्ये स्वार्टिक स् ण्डे प्रसार प्रमाण सम्प्रात स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप सामा स्थाप सम्प्रात स्थाप सम्भाप सम्भाप सम्भाप सम्भाप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स दैं उमर्रिक एउर्व दर्गामें स्टेस्ट्रह्म ॥ छिन्न स्वारिक स्वारिक सम्वारिक केंस्स , रिस्ट्रिक छिन्न । रिस्ट्रिक सम्वारिक सम्वर्ण सम्वरिक सम्वारिक सम्वरिक सम्बर्ण समिति समितिक समिति समितिक सम

मर्टामण्या जानवरमण रहणन्तर हासाय क्रमण्याच्य राज्याच्य राज्याच्य राज्याच्य स्थान स रहण्यान्यामा एकर रमणारीषा पोलदक्त्रेम रह एउ विष्यार्थे स्टिक ज्या माह्रम पोलण<u>ाकर</u> । विरुपान्य क्त्री न्द्रीत स्टिक क्ष । अहम हे आहम से जात है आहम हे आहम हे आहम से अहम हर्साण स्वारीकार समस्या हिन्दू हिनू हिन्दू हिन्दू हिन्दू हिन्दू हिन्दू हिन्दू हिन्दू हिन्दू हिन्दू

ઉત્સ28સ્મા **ेणाणी**लदर्भकेंत्रम

मञ्चार राणान्याम् मर्राष्ट्रण पाटामा

मर्भा अध्याधि । अध्याप्य स्थापि स्थाप

॥ दायी एक एक है जिस्तर्क एक रिम एप्यार्चम स्वराधिक राज्यस्य माध्याचे माध ाणि एक सम्बन्धाः स्वायक्षेत्र स्वायक्षेत्र सम्बन्धाः स्वया सम्बन्धाः सम्बन्धाः सम्बन्धाः सम्बन्धाः सम्बन्धाः स ब्राक्टद<sub>्</sub>क्र

क्रीलक्ष्यर्द् **ीणाधीलद**्धरूज मार्किएष्ठ टम

жणरम जिल्ला प्रमाण 

#### ८५५०) हे प्राप्त हत्य<u>ेख</u> हरू भिराभस ग्रह्म है पार्ट स्था है पार्ट स्थाजना



र्स्क) ३१ भणणाध्य ,र्वमद काल काल काल के प्रमान मिन मान मिल का अस्ति में में अने गैन्नरगञ्जेर पारुदर्य पारुदर्य रद<u>िष</u>्य रहुःल उ<sup>्</sup>ग निहेर

मध्यरहामान्य अनुमान्त्रमान

महाउर पासक क्षेत्र प्राध्या प्राध्या केर इस । रूष्टर पाटामित टामाम हरेटरएएँ ॥

त्र स्ट्री किस्सीर हुस्य उभीत एक्सीर स्थानित हुन् ण्डूपार्व्या एटर्क १७४८ माण राष्ट्रित व्यक्ति हैंदो हैंदो म मधम छोलम । डिप्पर्ड प्यममूख्य डून्बर्स्स व्हरेलोड विष्युद<u>्धव्</u>ह ोणद्धार्येण सरस्र ते तात गुरुद्धा गरमण्ड गुरुभेर स्थमीर गदर् रियान विकास के स्वर्धा क्षाप्य हिन्द है इस्तर्धित में ब्रिक स्वर्धित में ब्रिक स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर प्पष्टम एजाभद्धर्व मध्युदर्शनम ४८०गातमभ्या विषय<u>्ठाया</u> म्ह॰रदर्श ा ऋतं रहा क्रिगारामा भेरतम् अर्थण व्यामुल विगरित गारामा इति होत्य ्रवर्ध्यों ,गेष्ठब्र<u>क</u>्त तमाधानामाप्र स्र महरून प्रथान जीताम णिष्ठदर्श जिसस्वर्य प्रद<u>र्भय</u> गर्जन ॥ भिरस्पर भ्राज्य <u>भागा</u> गिष्ठा ॥ ७५ मध्य महस्य महस्य भाष्य भाष्य भाष्य भाष्य भाष्य भाष्य भाष्य । प्रमुख व्यापी प्रयोक्तिक क्रिया किया प्रमुख केष्ट्र होगामस प्रमुख पासाम ह्या अरुष्टा विषय होता <u>विषय हिल्ल</u> विद्यार हे अनुसार हे जाता है जिल्ला है जिल् १) १५४८ व्हेर हो ४ । ह्यार प्राप्तमा र्वेन-रितेम होलम ४७%होल<u>भा</u>र भारिक गढ़ णहुन्दर्स जाणीलन्नर्गन होसन्ह राभ्येष्ठ रान्त्ररमध्याण ह्रेणमुक्ता क्रिया प्राप्त क्रिया ण्टा राष्ट्राया अर्थना हिन्दी प्राप्त प्रसम्भाष राष्ट्राया महत्त्व प्राप्त प्रमाण महिर्मा, स्टिम्पिट प्रथमित हिर्मा हिर्मा से स्टिप्ट प्रसार प्रामित से स्टिप्ट से स्टिप्ट से स्टिप्ट से स्टिप्ट से सिर्मा मसर्गात रदर्व रिजनदर्ग ग्रम जसर्व दर्भ मध्म रिग्र रैपिन ह्यालक राज्य राज्य प्राप्त क्यालक अवर्ष्ट वर्माच्य मर्चर मामुल लुवर्द्यक

सिटांगिक ट्रेक्टी स्थापिज

...ह्य दर्सेट द्वस

## ७७ मध्य स्थापित क्षेत्र गार्व क्षेत्राणी सिन्धिय क्षेत्र ग्राह्म सिन्धिय क्षेत्र ग्राहम सिन्धिय क्षेत्र ग्राह्म सिन्धिय क्षेत्र प्रकार क्षेत्र सिन्धिय क्षेत्र सिन्धिय

ಕ್ಷಣದ ಗಿರ್ಬಾಗಿ ಕ್ಷಣದ ಕ್ಷಣವಾಣಕ wernef...



ਟਸਾਡੀ ਡਿਗਿਟਡਾਈ, ਦੁਡੀ ਟ<u>ੈਂਡਿਊ</u>ਐ...?

जूसमाम ३००३ ए.८ विस्तान

्रिष्ट प्रात्यात हता संस्थान किया कार्य के कार्य होता है जिल्ला के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य म्द्रायस्य स्वाप्तित्रम्

०७४ व्यासीज्य ज्ञाना ५००

॥ ीथेर्डट पर्धिय सीरदीमाया राज विदेश<u>ा ज</u>ितम प्राप्तम प्राप ॥ हिमस बाटाबारिस्स स्थापिस स्थापिस विवास विवास विवासिस स्थापिस स्थापिस स्थापिस विवासिस विवासिस विवासिस स्थापिस विदारा प्रमहीणहराभवाक विदार हिन्द्र मार्या मार्या । दर्ग महीम राहुँड भरुर राहुँदर प्राप्त प्राप्त कर दर्जाणीराज्यार सम्प्र प्रतिरुट हमेरीस , भरावणील विषय प्राप्त हमेरीस प्रतिप्राप्त प्रतिप्रति स्वर्ण प्राप्ति एवं स्याध्यस उज्जातिक त्याप्त अर्था हिन्दु होते । अर्थाप्त अर्थाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप

मठीचळ विष्या प्रतामक १९६८च्या अधीचळ ४७ विद्यास प्रतामक प्रतामक प्रतामक प्रतामक प्रतामक प्रतामक प्रतामक प्रतामक ॥ भिद्धरेर छदर्ज भुष्टमभ्र ट्यांक

कि विर हरे र छन्द्री एक पार्गा विवाधकामान्त्रीतिह

ගෙනෙන් සඟ්නාය සහ යනුනු මාලාසාව සාන්ම මාල්ම සහ මාස්වාසය සහ සහන් වනයේ වසාවය සහ ස छत्र<sup>ट</sup>क्र पाधिपाणा पाटाभरतीसक् विपासन विपास कर्जिक एक्रक सक्षम ॥ त्र्यमध्य अस्वर्दक ए (मठीसक्र) सिरंट<u>भक्त</u>िर पाणात्म ५ रहीरुट्ट त्र विद्रा हायाजिक सामाजिक सामा ॥भिछीर ॥भिर्के पाठाचर लुलीलक किर हुन ॥ तर्रद्र दैज वालवर्षणीम मठभिष्ट वर्ष भरावणील अलोर्राठावण किन् लंड मारीजी, मार्यसभ्य लंड एंग्रेस स्ट्रिस एंग्रेस मार्थामा हरा मार्थामा हरा मार्थामा हरा मार्थिस स्ट्रिस स्ट्रिस

पार्यात उमहीन रहेन्त्र में भावछन्थेर अन्मधरूप प्रीधर मध्याप्त उधराधकील भामठीकर प्रक्रमण एवं अपारि प्रक्रमण्या रहाने १३ भार २३ भार १४ भर सम्म ५०७५ रह्मणा १५ गण्या भारती भारती भारती । हण्यन्थ्यः भन्नाभाषात्रस्य ग्राह्मात्रस्य ग्रह्म भन्नाभाष्य स्वत्यात्रस्य भन्नाभाष्य स्वत्यात्रस्य रमणी भग

யोमम भारिक निर्दारक उद्याँत रहे भारतमञ्जन रहे हर्द त्रश्चात्रश्चरमध्यामः इत्र प्रभूत प्रामम रष्टात अभ्यत्य भन्नारीव्यक्तम्बर

...ह्य दर्भंड र्रम

न्डर २००० २३४ में अठमण महेला <u>प्रतिक प्राचित्रक प्रतिक प</u>